

प्रेषक,  
अंजली प्रसाद,  
सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।  
सेवा में  
निदेशक,  
आई0सी0डी0एस0,  
उत्तराखण्ड, देहरादून।

महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास विभाग, देहरादून दिनांक 8 मई, 2008  
विषय :- श्रीमती ललिता वर्मा, प्रभारी जिला कार्यक्रम अधिकारी, उत्तरकाशी के निलम्बन  
विषयक।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक जिलाधिकारी, हरिद्वार के अर्द्धशासकीय पत्र संख्या 2124/पी0ए0/2008 दिनांक 26.03.2008 के क्रम में की गयी प्रारम्भिक जाँच के आलोक में शासन द्वारा सम्यक् विचारोपरान्त यह निर्णय लिया गया है कि श्रीमती ललिता वर्मा, प्रभारी जिला कार्यक्रम अधिकारी, उत्तरकाशी द्वारा जनपद हरिद्वार में प्रभारी जिला कार्यक्रम अधिकारी के पद पर रहते हुये शासनादेश संख्या 1163/XVII(2)/2006 दिनांक 19.12.2006 के द्वारा 970 आंगनवाड़ी केन्द्र एवं 63 मिनी आंगनवाड़ी केन्द्र केवल ग्रामीण क्षेत्रों के लिए स्वीकृत किये गये थे। लेकिन तत्कालीन जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती ललिता वर्मा के द्वारा अगस्त 2007 में ग्रामीण क्षेत्र के लिए स्वीकृत आंगनवाड़ी केन्द्रों के सापेक्ष 763 केन्द्र ग्रामीण क्षेत्र तथा 207 केन्द्रों को शहरी क्षेत्र में संचालित करने हेतु विज्ञप्ति प्रकाशित की गयी, जिसकी स्वीकृति न तो निदेशक/शासन स्तर से ली गई न ही ग्रामीण क्षेत्र से शहरी क्षेत्र में केन्द्र स्थानान्तरित करने हेतु प्रकरण जिलाधिकारी के संज्ञान में लाया गया। ग्रामीण क्षेत्र हेतु स्वीकृत आंगनवाड़ी केन्द्रों को शहरी क्षेत्र में स्थापित किया जाना भारत सरकार एवं राज्य सरकार की स्वीकृति के विपरीत है, के आलोक में आंगनवाड़ी केन्द्र खोले जाने एवं उसके सापेक्ष भर्ती में की गयी अनियमितताओं में पूर्ण रूप से लिप्त पायी गयी तथा प्राप्त प्रारम्भिक में जाँच विवेचना आख्या में उनका कृत्य के सापेक्ष दोष सिद्ध पाया गया।

जिस हेतु श्रीमती ललिता वर्मा, प्रभारी जिला कार्यक्रम अधिकारी, उत्तरकाशी को तत्काल प्रभाव से प्रशासनिक आधार पर निलम्बित किये जाने के आदेश तत्काल जारी करने की कार्यवाही करना सुनिश्चित करें।

प्रतिनिधि: राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र,  
उत्तराखण्ड सचिवालय फरिसर,  
देहरादून।

भवदीया,  
अंजली प्रसाद  
(अंजली प्रसाद)  
सचिव